यूको कामाख्या दर्पण

गुवाहाटी अंचल की छमाही गृह पत्रिका

वर्ष : 7 . अंक : 2 . अक्टूबर, 2024 - मार्च, 2025

असम : लोक साहित्य एवं संस्कृति

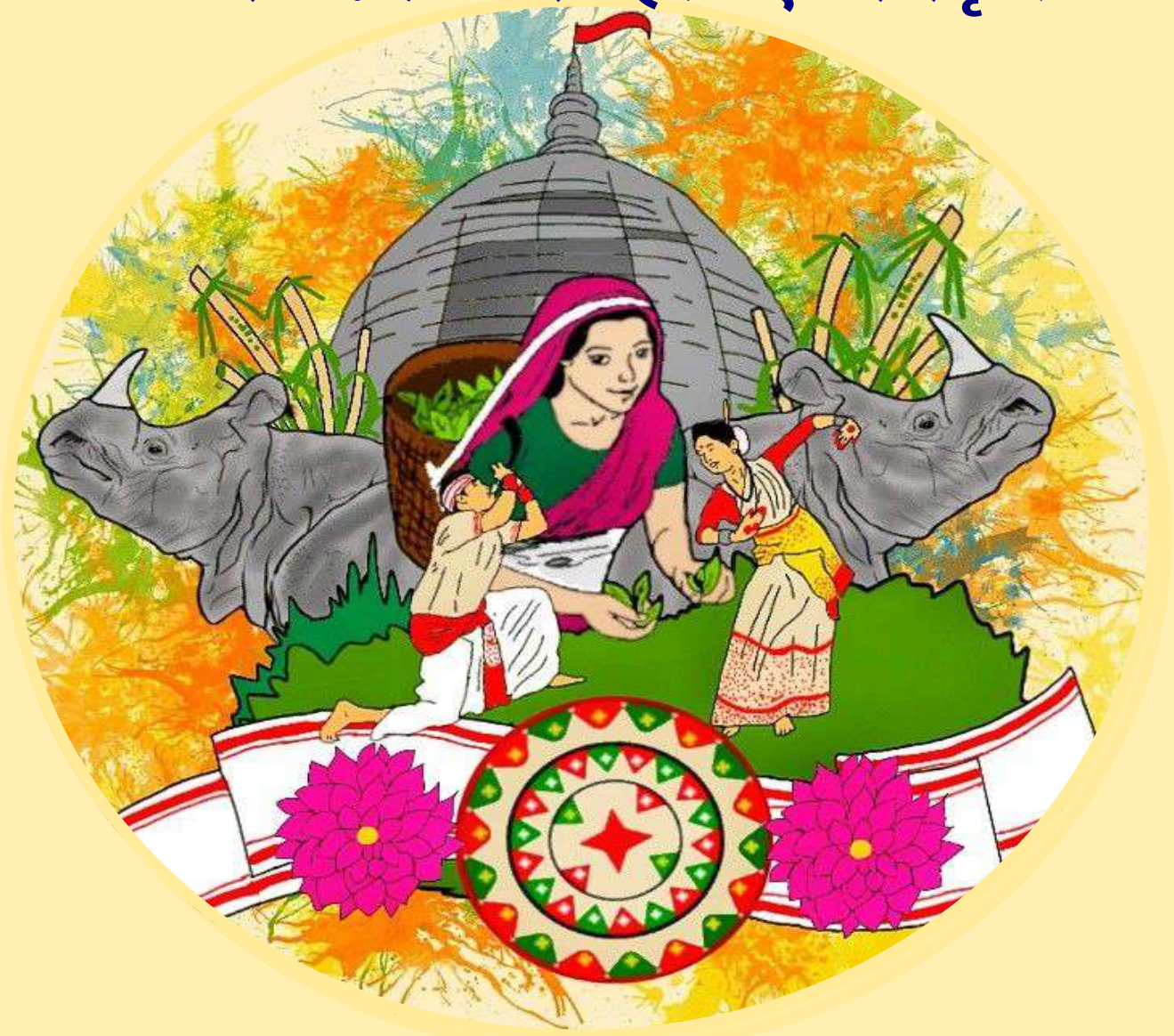

यूको बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)
UCO BANK
(A Govt. of India Undertaking)
सम्मान आपके विश्वास का
Honours Your Trust

12 वां यूको बैंक अखिल भारतीय राजभाषा अधिकारी सम्मेलन, 16-18 दिसंबर, 2024, कोलकाता
आदरणीय कार्यपालक निदेशक महोदय श्री राजेन्द्र कुमार साबू जी के साथ सभी राजभाषा अधिकारीगण

यूको कामाख्या दर्पण

वर्ष : 7. अंक : 2 . अक्टूबर, 2024 - मार्च, 2025

संरक्षक

सौम्यदीप घोष

उप महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख

दिग्दर्शन

खिली पिन्यू

सहायक महाप्रबंधक एवं
उप अंचल प्रमुख

संपादक

विशाल कुमार

वरिष्ठ प्रबंधक -राजभाषा

नोट : पत्रिका में व्यक्त विचार लेखकों के हैं, बैंक के नहीं ।

अनुक्रमणिका

विषय-वस्तु	पृष्ठ सं.
अंचल प्रमुख का संदेश	4
आमुख लेख - असम: लोक साहित्य एवं संस्कृति	5
राजभाषा टिप्पणियाँ	7
व्यावसायिक दृष्टिकोण से गुवाहाटी अंचल	9-11
यात्रा-वृतांत : तवांग का सुहाना सफर	12-14
बैंक शाखा में सुरक्षा प्रबंधन	15-16
कविताइ	17
गतिविधियां	18-20
कार्यपालक निदेशक द्वै का गुवाहाटी दौरा	21
महापरिनिर्वाण दिवस	22
12 वां यूको बैंक अखिल भारतीय राजभाषा अधिकारी सम्मेलन	23
बैंक का 83 वां स्थापना दिवस	25
विश्व हिंदी दिवस 2025	26
75वां गणतंत्र दिवस समारोह	27
एमएसएमई, कृषि एवं संसाधन कार्निवल	28
पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रों का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन	31-32
जन्मदिन	34
नन्हें कलाकार	35
स्वास्थ्य का ध्यान रखें	36
खानपान	37
आप-बीती	38-39
असम और इसके त्योहार	40-42

प्रकाशन एवं संपर्क

यूको बैंक, अंचल कार्यालय, मणिराम देवान रोड,
सिलपुखुरी, गुवाहाटी, 781003,
मो : 9798487732
ई-मेल : zoguwahati.ol@ucobank.co.in

उप महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख का संदेश

प्रिय सहकर्मीगण, नमस्कार !

वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही में हम प्रवेश कर चुके हैं । आशा है कि पिछली छमाही की तुलना में इस छमाही में हम बेहतर कार्य करेंगे और अपने अंचल को शीर्ष अंचलों की सूची में कायम रखने का प्रयास करेंगे ।

डिजिटलीकरण के इस दौर में हमारा बैंक भी अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने में पीछे नहीं है और डिजिटल बैंकिंग के माध्यम से हमारे ग्राहकों को सुविधा और सुरक्षा प्रदान करना हमारी प्राथमिकता भी है। हमारे आदरणीय एमडी सर का भी डिजिटल और सूचना प्रौद्योगिकी की ओर विशेष ध्यान है।

हमारे बैंक का मोबाइल बैंकिंग एप्प एक बेहतरीन एप्प है और उपयोगकर्ता के अनुकूल है जिसके माध्यम से हमारे बैंक ग्राहक बिना बैंक शाखा में गए अपनी बैंकिंग जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। यह एप्प वन स्टॉप सोल्यूसन की तरह हैं जहां एक ही स्थान पर सभी प्रकार की बैंकिंग जरूरतें पूरी होती हैं।

शाखाओं से अपील है कि हमारे मोबाइल बैंकिंग एप्प का हमारे ग्राहकों के बीच अधिक से अधिक प्रचार करें और उन्हें यह एप्प प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें । साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि खाता खोलने के साथ-साथ ही आप उनके मोबाइल पर यह एप्प इन्स्टाल करवा दें ताकि वे तुरंत इसका लाभ उठा सके।

मोबाइल बैंकिंग के अलावा बैंक के अन्य डिजिटल उत्पाद जैसे व्हाट्स एप्प बैंकिंग, मर्चेंट क्यूआर कोड, पीओएस, आदि को ग्राहकों के बीच अत्यधिक प्रचार करें एवं इसे अधिकतम उन्हें बेचने का प्रयास करें।

डिजिटल उत्पाद के अलावा बैंक का जो प्रमुख क्षेत्र है RAM - रिटेल, कृषि एवं एमएसएमई; में अधिक से अधिक प्रस्ताव संस्वीकृत करें। इस कार्य में तेजी लाने हेतु बैंक द्वारा 2 हब (RLH एवं SME HUB) बनाए गए हैं, जिसमें आप अधिकतम प्रस्ताव भेजें और उसे हब से स्वीकृत कराएं । इसके अतिरिक्त शाखा में जितने भी प्रकार के अनुपालन कार्य है, सभी पर ध्यान देना है और उसे समय से पूरा भी करना है। अनुपालन कार्यों में राजभाषा का अनुपालन भी एक है जिसका 100% अनुपालन अनिवार्य है। CASA पोर्टफोलियो को बढ़ाएं । शाखा से बाहर संस्थानों में विजिट करें और बैंक के लिए अधिकतम व्यवसाय लाने का प्रयास करें ।

हमारा यह अंक एक थीम आधारित अंक है जिसका विषय असम : लोक साहित्य एवं संस्कृति रखा गया है। इसमें हमने असम के साहित्य एवं संस्कृति को दर्शाने की चेष्टा की है। आशा है, यह आपको बहुत पसंद आएगा।

आइए, हम कृत-संकल्पित हों कि डिजिटलीकरण के इस युग में ग्राहक सेवा में गुणात्मक सुधार करें जिससे हमें ग्राहक आधार बढ़ाने में आसानी हो और हर जगह बस **यूको यूको** की गूंज ही सुनाए दे ।

सौम्यदीप घोष

असम: लोक-साहित्य एवं संस्कृति

विशाल कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक - राजभाषा
अंचल कार्यालय गुवाहाटी

प्रिय पाठकगण, **यूको कामाख्या दर्पण** के नए अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत खुशी हो रही है। इस बार एक थीम-आधारित अंक निकालने की चेष्टा हमने की है और थीम "असम: लोक साहित्य एवं संस्कृति" रखा गया है। यह थीम अपने-आप में अत्यंत सारगर्भित है। पत्रिका को बेहतर संयोजन देने का प्रयास किया गया है। थीम को बेहतर तरीके से प्रस्तुत करने के लिए संपादकीय के रूप में एक आलेख प्रस्तुत कर रहा हूँ। आशा है, पत्रिका के साथ-साथ आपको आलेख भी पसंद आएगा। प्रस्तुत है आलेख :-

असम, पूर्वोत्तर भारत की सुरम्य वादियों में बसा, न केवल अपनी प्राकृतिक सुषमा के लिए जाना जाता है, बल्कि इसकी समृद्ध लोक परंपराएं और सांस्कृतिक विविधता भी इसे विशिष्ट बनाती हैं। ब्रह्मपुत्र की लहरों के साथ बहती असम की सांस्कृतिक धारा हमें एक ऐसे लोक संसार की सैर कराती है, जहाँ कथाओं में जीवन धड़कता है, गीतों में ऋतुएँ गूंजती हैं, और नृत्य में उत्सवों की झलक मिलती है।

असम का लोक साहित्य उसके जनजीवन की संवेदनाओं, आस्थाओं और अनुभवों का सहज और सजीव प्रतिबिंब है। यह साहित्य न तो केवल मनोरंजन का साधन है और न ही मात्र ऐतिहासिक दस्तावेज बल्कि यह असमिया समाज की आत्मा है, जो जनश्रुति, गीत, नाटक और किस्सों के रूप में जीवित है। **बिहू गीत**, जिनमें प्रेम और प्रकृति का सुंदर समन्वय मिलता है, असमिया लोकगीत परंपरा की पहचान

हैं। वर्ष के विभिन्न चरणों में गाए जाने वाले ये गीत किसान की भावनाओं, युवाओं की उमंग और प्रकृति की रंगीनियों को स्वर देते हैं। रचित भक्ति गीतों की श्रृंखला, अध्यात्म की वहीं **बोरगीत**, शंकरदेव और माधवदेव द्वारा गहराई से ओतप्रोत हैं। लोक कथाओं में 'बुड़ो-बुड़ी' जैसी कथाएं जीवन की सहजता और हास्यबोध से भरी हुई हैं। यह कथाएँ न केवल बच्चों को मनोरंजन देती हैं, बल्कि जीवन का मूल्य भी सिखाती हैं।

असम की संस्कृति बहुरंगी और बहुरूपा है। यहाँ के उत्सव, नृत्य, पोशाक, खानपान और लोक कलाएं इसकी जीवंतता के प्रमाण हैं। **बिहू** असम का सबसे प्रमुख त्योहार है, जो नृत्य, गीत और हास-परिहास के रंगों से सराबोर होता है। तीन प्रकार के बिहू—*रंगाली (बैसाख)*, *भोगाली (माघ)* और *काटी बिहू (कार्तिक)*—असमिया जीवन के कृषि चक्र से जुड़े हुए हैं।

बिहू नृत्य, विशेष रूप से युवतियों द्वारा प्रस्तुत, सौंदर्य, चंचलता और सजीवता का अनूठा उदाहरण है। इसके अलावा, **सत्रिया नृत्य**, जो शास्त्रीय नृत्य की श्रेणी में आता है, धार्मिकता और भक्ति भाव का नृत्यात्मक रूप है। यहाँ का **फूलोम गामूषा (गमछा)** आतिथ्य सरकार का एक बेहतरीन उदाहरण है जिसमें यहाँ की मिट्टी की खुशबू छिपी है।

असम की महिलाएं पारंपरिक **तांत करघों** पर *मेखला-चादर*, *गामोचा* (गमछा) और अन्य वस्त्र बुनती हैं, जिनमें लोक संस्कृति की सौंदर्य दृष्टि झलकती है। खासकर *गामोचा* - सफेद और लाल रंग का एक खास कपड़ा-असम की सांस्कृतिक अस्मिता का प्रतीक है, जो स्वागत, सम्मान और आत्मीयता का संकेत माना जाता है।

असम अनेक जनजातीय समुदायों का निवास स्थल है जिसमें अहोम, बोडो, मिरी, मिसिंग, कार्बी, डिमासा आदि शामिल है। प्रत्येक समुदाय की अपनी विशिष्ट वेशभूषा, लोककला, बोलियाँ और परंपराएँ हैं, जो समूचे असम को एक जीवंत सांस्कृतिक ढांचे में बदल देती हैं।

आज जब वैश्वीकरण की लहर स्थानीयताओं को ढक रही है, असम का लोक साहित्य और संस्कृति हमें स्मरण कराते हैं कि हमारी पहचान हमारी जड़ों में ही है। आवश्यकता है कि इस अमूल्य सांस्कृतिक निधि का संरक्षण किया जाए । शोध, दस्तावेज़ीकरण और शैक्षिक स्तर पर इसके प्रचार-प्रसार के माध्यम से इसे और सुदृढ़ बनाया जाए।

असम का लोक साहित्य और संस्कृति न केवल सौंदर्यबोध का अनुभव कराते हैं, बल्कि सामाजिक चेतना, अध्यात्म और मानवीय मूल्यों को भी जागृत करते हैं। यह एक ऐसी धरोहर है जिसे केवल पढ़ा या सुना नहीं जाता, बल्कि जिया जाता है।

पत्रिका के पाठकों से अपेक्षा है कि वे भी इस सांस्कृतिक समृद्धि को जानें, समझें और आगे बढ़ाएं, क्योंकि असम की लोक परंपराएं, भारत की आत्मा का एक महत्वपूर्ण स्वर हैं।

दैनिक कार्यों में प्रयुक्त होनेवाली टिप्पणियाँ
Noting to be used in Daily Routine

अंग्रेजी/English	हिंदी/Hindi
Accepted	स्वीकृत
Approved	अनुमोदित
Action May be taken	कार्रवाई की जाए
All concerned to note	सभी संबंधित व्यक्ति इसे नोट करें
Approved as proposed/suggested	प्रस्ताव/सुझाव के अनुसार अनुमोदित
Approval may be obtained	अनुमोदन प्राप्त किया जाए
Arrangement may be made	व्यवस्था की जाए
Await reply/report	उत्तर/रिपोर्ट की प्रतीक्षा करें
Bill may be paid	बिल का भुगतान करें
Call for report	रिपोर्ट मँगवाएँ
Copy may be sent	प्रतिलिपि भेजी जाए
Draft for Approval	अनुमोदन हेतु मसौदा
Explanation may be called for	स्पष्टीकरण मांगा जाए
For Consideration	विचारार्थ
For Information	सूचनार्थ
For perusal	अवलोकनार्थ
Give top priority	सर्वोच्च प्राथमिकता दें
I agree/Agreed	मैं सहमत हूँ/सहमत
Keep this in abeyance	इसे रोक रखें
May be informed accordingly	तदनुसार सूचित किया जाए
May be sanctioned	मंजूरी दी जाए
May be treated as closed	बंद समझा जाए
May be treated as urgent	इसे अत्यावश्यक समझा जाए
Most urgent	अत्यावश्यक
Necessary action may be taken	आवश्यक कार्रवाई की जाए
No further action is required	आगे कोई कार्रवाई अपेक्षित नहीं है
Noted	नोट किया
Offer your comments	अपनी टिप्पणी दें
OK	ठीक है
Payment may be made	भुगतान किया जाए
Please acknowledge	कृपया पावती दें
Please ensure	कृपया सुनिश्चित करें
Please explain the matter	कृपया मामले को स्पष्ट करें
Please offer your comment	कृपया अपनी टिप्पणी दें

दैनिक कार्यों में प्रयुक्त होनेवाली टिप्पणियाँ
Noting to be used in Daily Routine

Please advise	कृपया सूचित करें
Please attend the meeting	कृपया बैठक में भाग लें
Please circulate	कृपया परिचालित करें
Please comply	कृपया पालन करें
Please confirm	कृपया पुष्टि करें
Please discuss	कृपया चर्चा करें
Please do the needful	कृपया आवश्यक कार्रवाई करें

Please put up a note	कृपया नोट प्रस्तुत करें
Please reply	कृपया उत्तर दें
Please Speak	कृपया बात करें
Please submit	कृपया प्रस्तुत करें
Recommended	संस्तुत
Rejected	अस्वीकृत
Sanctioned	संस्वीकृत/मंजूर
Seen	देख लिया

सामग्री आमंत्रित है

गुवाहाटी अंचल के अधीन सभी शाखाएं, सभी एलडीएम कार्यालय, सभी आरसेटी कार्यालयों एवं क्षेत्र निरीक्षणालय के सभी स्टाफ सदस्यों से अंचल की छमाही पत्रिका **"यूको कामाख्या दर्पण"** हेतु सामग्री आमंत्रित है ।

सामग्री हिंदी/असमिया/बांग्ला/बोडो भाषा में सामयिक लेख, कविता, कहानी, यात्रा वृतांत, संस्मरण, किसी जगह की जानकारी, किसी व्यक्ति विशेष की जानकारी, ग्राहक सफलता की कहानी, स्टाफ सफलता की कहानी, शाखाओं/कार्यालयों की गतिविधियां, स्टाफ या उनके बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग, भोजन डिश की रैसिपि आदि के रूप में हो सकती है ।

अपनी सामग्री हमें यूनिकोड में टाइप कर zoguwahati.ol@ucobank.co.in पर भेजें ।

कारोबार

व्यावसायिक दृष्टिकोण से गुवाहाटी अंचल
01 अक्टूबर, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक

यूको गृह ऋण : शीर्ष 5 शाखाएं (राशि की दृष्टि से)

क्रम	शाखा का नाम	शाखा क्रमांक	संस्वीकृत ऋण की संख्या	संस्वीकृत राशि (लाख रूपये में)
1	डाउनटाउन	1994	10	491.15
2	मिड कॉर्पोरेट दिसपुर	0572	7	436.5
3	नलबारी	1108	7	300.06
4	बोंदा	1372	7	158.5
5	भेटापारा	2472	6	209.56

व्यावसायिक दृष्टिकोण से गुवाहाटी अंचल
01 अक्टूबर, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक

यूको कार ऋण : शीर्ष 5 शाखाएं (राशि की दृष्टि से)

क्रम	शाखा का नाम	शाखा क्रमांक	संस्वीकृत ऋण की संख्या	संस्वीकृत राशि (लाख रूपये में)
1	डाउनटाउन	1994	22	239.51
2	मोरीगाँव	2956	22	180.94
3	पंजाबारी	2879	16	142.62
4	बोंदा	1372	16	135.34
5	नॉर्थ गुवाहाटी	3382	12	132.15
6	तिहु	0396	12	88.52

वसूली करनेवाली शीर्ष 5 शाखाएं

01 अक्टूबर, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक

क्रम	शाखा का नाम	शाखा क्रमांक	वसूली (करोड़ में)
1	सिलपुखुरी	0533	9.08
2	सिलचर	0080	1.36
3	बोंगाईगाँव	0366	1.08
4	शिलांग	0089	1.06
5	बसिस्थ	3037	0.68

व्यावसायिक दृष्टिकोण से गुवाहाटी अंचल
01 अक्टूबर, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक

एटीएम जारी करनेवाली शीर्ष 5 शाखाएं

क्रम	शाखा का नाम	शाखा क्रमांक	जारी एटीएम की संख्या
1	तिहु	0396	941
2	जी सी कॉलेज, सिलचर	1927	742
3	खारुपेटिया	0872	711
4	दोबोक	1427	692
5	नलबारी	1108	676

मोबाइल बैंकिंग सक्रिय करनेवाली शीर्ष 5 शाखाएं

क्रम	शाखा का नाम	शाखा क्रमांक	कुल सक्रिय किए गए उपयोगकर्ता
1	हाउली	0501	907
2	गौरीपुर	0405	776
3	धुबरी	0473	742
4	ढालीगाँव	0889	685
5	मुकलमुआ	0773	605

यात्रा-वृतांत

तवांग का सुहाना सफर

संजय नंदूरकर
क्षेत्र निरीक्षणालय प्रमुख, गुवाहाटी

पहाड़ों की ऊंची-ऊँची चोटियाँ बर्फ से ढकी हुई, निचे कल-कल बहती हुई स्वच्छ सरिता और साथ में अर्धांगनी। इसपर से मोबाईल का नेटवर्क भी नहीं। घूमने के लिए इससे अच्छा स्थान और कोई हो ही नहीं सकता ।

जबसे गुवाहाटी तबादला हुआ है, तभी से अरुणाचल प्रदेश जाने का सपना मन में उछल रहा था। यह मौका मिला मुझे बिहू त्यौहार की छुट्टियो में। मैं और मेरी पत्नी निकल पड़े अपनी गाड़ी लेकर पहाड़ियों से घिरे तवांग को देखने ।

घर से सुबह 8:00 बजे हम दोनों चल पड़े। हमारा पहला पड़ाव दिरांग था जहाँ हमें रात में रुकना था। अरुणाचल प्रदेश के लिए पहले इनर लाइन परमिट लेना पड़ता है, जो हमने पहले ही ले लिया था। रास्ते में हम भुटान सीमा पर रुके, यहाँ चाय का आनंद लिया। कुछ देर रुकने के बाद आगे निकल पड़े। वहीं से आधे घंटे की दूरी पर अरुणाचल प्रदेश की सीमा आरंभ होती है। सीमापर परमिट की औपचारिकता पूरी करके हम आगे चल पड़े NH 15 पर । अरुणाचल में प्रवेश करते ही ठंडी-ठंडी हवाओं के झोंके तन और मन को प्रफुल्लित कर रही थी।

हमने गाड़ी के शीशे निचे कर लिए। एक तरफ ऊँची- ऊंची पहाड़ियाँ और दूसरी तरफ गहरी खाई, बिच में बना घुमावदार रास्ता ।" रास्ते में जगह जगह हरी-भरी वादियाँ, कई प्रकार के पेड़ों से घिरी हुई थी । उपर खुला - खुला नीला आसमान ! लग रहा था, उपर वाले ने अपने कैनवास के सारे रंग इस जगह पर बिखेर दिए हों। पहाड़ों की टेढ़ी-मेढ़ी सड़क और मनोरम वादियों का आनंद लेते हुए हम शेरगाँव पहुंचे। वहाँ थोड़ा जलपान ग्रहण करने के बाद हम दोनों शाम करीब 4.00 बजे हमारे पहले पड़ाव दिरांग पहुंचे। दिरांग एक हसीन वादियों बसा छोटा शहरी कस्बा है। हमने वहाँ पहले ही होमस्टे बुक किया हुआ था। वहाँ पर थोड़ा फ्रेश होकर चाय का लुत्फ उठाया और खाने का ऑर्डर देते हुए निकाल पड़े गाँव देखने। वहाँ हमने एक बौद्ध मठ देखा जो अत्यंत सुंदर था। चारों तरफ स्वच्छ ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। रात में आसमान में नजर पड़ते ही मन प्रफुल्लित हो जाता था। टिमटिमाते तारों से भरा नीला आसमान सपनों की दुनिया में खोने के लिए बारंबार मजबूर कर रहा था। हम ठहरे महानगर निवासी, महानगरों में प्रदूषण के कारण ये सब नजरें लगभग विलुप्त ही हो चुके हैं। परंतु यहाँ की तो बात ही कुछ और थी।

यात्रा-वृतांत

अगली सुबह करीब 8.00 बजे नाश्ता करने के बाद तवांग के लिए निकल पड़े। जब हम निकल रहे थे तब होमस्टे की प्रमुख पहिलाओं ने हमें थोड़ा रुकने के लिए कहा, 5 मिनट रुकने के बाद उन्होंने हम दोनों के गले में एक सफ़ेद कपड़ा बांधा और माथे पर तिलक लगाया। पत्नी ने पूछा, कि ये सब क्या है? तो उन्होंने बताया कि 'यह आपकी आगे की यात्रा के लिए "गुडलक" है। बहुत अच्छा लगा। पहाड़ियों का सादगी भरा गुडलक मन को भा गया।

वहां से हम तवांग के सफर पर निकाल पड़े। रास्ते में हमने कमेंग कल्चर एवं हेरिटेज मिझुयम देखते हुए बोमडिला पहुंचे। बोमडिला पास से आगे बढ़ते हुए हम सेला पास पहुंचे। आगे बढ़ने के लिए सेला टनल एवं सेला पास दोनों से जा सकते हैं। हमने सेला टनल वाला रास्ता चुना, यह टनल नई बनी है। यहाँ पूरे रास्ते हमें मिलिट्री मिली। सेला टनल से आगे बढ़ते हुए हमें अपने सैनीकॉपर एवं बार्डर रोड संगठन पर बड़ा गर्व हो रहा था। समुद्र सतह से 12000 फिट की ऊंचाई पर फोर लेन टनल बनी है।

सेला पास बादलों से घिरा हुआ था। हल्की-हल्की बारिश भी हो रही थी। आगे का रास्ता बिलकुल नहीं दिख रहा था। बड़ी मुश्किल हो रही थी। यह एक रोमांच भरा सफर था साथ में डर भी लग रहा था। नीचे गहरी खाई और घुमावदार रास्ता सफर को रोमांचक बना रहा था। हम करीब दोपहर 2.00 बजे तवांग पहुंचे। तवांग प्रकृतिक रूप से बेहद सुंदर स्थान है। यह छुपे हुए स्वर्ग के नाम से भी जाना जाता है।

तवांग पहुँचने के बाद पहले हम एशिया के दूसरे सबसे बड़े बौद्ध मठ देखने गए। यह मठ 10000 फिट की ऊंचाई पर स्थित है जिसे 'गोल्डेन नाम्गे ल्हात्सेन' के नाम से भी जाना जाता है। यह एक वास्तुकला का उत्कृष्ट नमूना है। यहाँ मन को बड़ी शांति मिलती है। यहीं से हम तवांग वार मेमोरियल देखने गए। 1962 में भारत-चीन युद्ध में जो सैनिक शहीद हुए थे उनकी याद में यह मेमोरियल बनाया गया है।

शाम को टहलते-टहलते तवांग के बजजर की सैर की।

अगली सुबह 7.30 बजे बूमला पास के लिए निकाल पड़े जो समुद्र तल से 15200 फिट की ऊंचाई पर स्थित है। यह तवांग शहर से 37 किलोमीटर की दूरी पर है। यह दुनिया की सबसे ऊंची सड़क है। रास्ते में हल्की-हल्की बारिश भी हो रही थी जो सफर को सुहावना एवं रोमांचक बना रही थी। सफर में आगे बढ़ते हुए हमने सैरोस्टर लेक देखा जिसे अभी माधुरी लेक के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यहाँ कोयला फिल्म की शूटिंग हुई थी। यहाँ का दृश्य बहुत ही मनोरम था। झील चारों तरफ से पहाड़ियों से घिरी हुई थी। वहाँ की ठंडी हवाएँ ठंड में बढ़ोतरी कर रही थी।

वहीं से ऊपर हम चीन की सीमा के पास जिसे बुमला पास कहा जाता है, पहुँच गए। जैसे ही हम वहाँ पहुंचे वहाँ तैनात एक सैनिक ने हिदायत दी की सभी अपना मोबाइल बंद रखें अन्यथा आप सभी चीन के नेटवर्क क्षेत्र में आ जाएंगे और हमारी लोकेशन चीन के पास चली जाएगी। वहाँ हमने यह भी महसूस किया कि इतनी ठंड में भी हमारे सैनिक आपनौ ड्यूटि बड़ी शिद्दत से निभाते हैं।

हमने उन्हें सैल्यूट किया और वहाँ से अगले गंतव्य के लिए चल पड़े।

हमारा अगला गंतव्य 'होली वॉटर फॉल' था। वहाँ का रास्ता सुंदर के साथ-साथ अत्यंत डरावना भी था। वहाँ से भी चीन की सीमा दिखाई पड़ती थी। 'होली वॉटर फॉल' की यह विशेषता है कि यहाँ पहाड़ी के बीच में झरना निकलता है। मजे कि बात यह कि ऊपर पहाड़ी पर कोई नदी या पानी का स्रोत नहीं है। पूरा सूखा पड़ा है। वहाँ तैनात सैनिक भी पीने का पानी नीचे से लेकर जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि 6/7 वीं सदी में एक बौद्ध साधु ने वहाँ तपस्या किया करते थे। एक बार उन्हें प्यास लगी, परंतु वहाँ कोई भी पानी का स्रोत नहीं था। तो उन्होंने अपनी माला जिसमें 108 मनके थे, पहाड़ी की तरफ फेंकी जिससे वहाँ से 108 पानी की धाराएँ बहने लगी जो आज भी उसी तरह से बह रही हैं। तभी से इसका नाम 'होली वॉटर फॉल' है। इस वाटर फॉल के मनोरम दृश्य को अपने मन में सजोए हम वापस तवांग के लिए निकाल पड़े। तवांग पहुँचते-पहुँचते शाम हो गई थी। बहुत थकान थी और अगले ही दिन हमें वापस गुवाहाटी के लिए भी जाना था। अगली सुबह मनोरम वादियों से गुजरते हुए हम अपने घर की ओर रवाना हो गए। गुजरते वक्त रास्ते में सहसा मन में एक गीत कौंधने लगी, जो शायद इसी सफर के लिए लिखी गई हो, "दिल कहे रूक जा रे, रूक जा, यहीं पर कहीं; जो बात इस जगह है, कहीं पर नहीं...."

इस प्रकार एक अविस्मरणीय और सुखद अनुभव के साथ हम अपने घर पहुंचे। .....

राजीव कुमार

वरिष्ठ प्रबंधक
लखरा शाखा

कार्यशैली

काम काम करते बीतती हर किसी की शाम
पर करता नहीं है कोई खुद अपना काम
छोटी छोटी बातों पे लेते बड़े अधिकारी का नाम
जैसे बन यमराज वो हर लेंगे हम सब के प्राण
इन दिनों वी सी करना है सबसे महत्वपूर्ण काम
चापलूसों की फौज मिलना है बहुत आम
कुछ लोग काम की चर्चा कर बनते महान
है सबको अपनी अपनी ज़िम्मेदारियाँ तमाम
कार्यक्षेत्र में हम सब मिल गढ़ते नित नये आयाम
बिना काम मिलती नहीं है किसी को पहचान

**"भाषा की सरलता, सहजता और शालीनता अभिव्यक्ति को सार्थकता प्रदान करती है।
हिंदी ने इन पहलुओं को खूबसूरती से समाहित किया है ।"**
नरेंद्र मोदी, प्रधान मंत्री

आलेख

बैंक शाखाओं में सुरक्षा प्रबंधन

सौरभ कुमार
सुरक्षा अधिकारी
गुवाहाटी अंचल

आज के वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में बैंक केवल वित्तीय लेन-देन के केंद्र नहीं रह गए हैं, बल्कि ये राष्ट्र की आर्थिक धारा की रीढ़ बन चुके हैं। बैंक ग्राहकों की मेहनत की कमाई, व्यवसायों की पूंजी, तथा सरकारों की आर्थिक योजनाओं का आधार हैं। ऐसे में बैंक शाखाओं की सुरक्षा न केवल बैंक की संपत्ति, बल्कि पूरे वित्तीय तंत्र की रक्षा के समान है। बदलते तकनीकी युग में जहां एक ओर सुविधाएँ बढ़ी हैं, वहीं दूसरी ओर जोखिम भी कई गुना बढ़ गए हैं। इसलिए बैंक शाखा में प्रभावशाली सुरक्षा प्रबंधन की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक हो गई है। सुरक्षा प्रबंधन की आवश्यकता: बैंक एक ऐसा संस्थान है, जहाँ प्रतिदिन लाखों -करोड़ों का नगद लेन-देन होता है। साथ ही ग्राहकों की निजी जानकारी, खाता विवरण, ऋण अभिलेख, तथा महत्त्वपूर्ण दस्तावेजों का संग्रह भी होता है। यदि सुरक्षा में थोड़ी सी भी चूक हो जाए, तो इसका प्रभाव ग्राहकों के विश्वास से लेकर बैंक की साख तक पर पड़ सकता है।

इसीलिए बैंक शाखाओं में एक बहुस्तरीय, समन्वित और सतत अद्यतन सुरक्षा प्रणाली की आवश्यकता होती है।

बैंक शाखा में सुरक्षा प्रबंधन के प्रमुख आयाम:

⇒ **भौतिक सुरक्षा** : भौतिक सुरक्षा, बैंक की आधारभूत सुरक्षा है, जो भवन, उपकरणों और नकदी के भौतिक संरक्षण से जुड़ी होती है। इसके अंतर्गत निम्न आते हैं:-

- सुरक्षा गार्डों की नियुक्ति: बैंक के प्रवेश द्वार तथा अन्य संवेदनशील स्थानों पर प्रशिक्षित गार्डों की तैनाती की जाती है।
- सीसीटीवी कैमरे: पूरे परिसर में उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए जाते हैं जो 24x7 निगरानी करते हैं।
- बायोमेट्रिक एक्सेस: लॉकर रूम, कैश वॉल्ट आदि को केवल अधिकृत व्यक्तियों की उंगलियों या आँखों की स्कैनिंग से ही खोला जा सकता है।
- अग्निशमन यंत्र, धुँआ डिटेक्टर, आपातकालीन निकासी द्वार आदि की व्यवस्था अनिवार्य होती है।
- सिस्टम को हैकिंग व वायरस से बचाने हेतु मजबूत फायरवॉल और नियमित अपडेटेड एंटीवायरस लगाए जाते हैं।
- डिजिटल लॉगिन सुरक्षा: मल्टी फैक्टर ऑथेंटिकेशन, ओटीपी, और बायोमेट्रिक सत्यापन जैसी तकनीकों से डेटा की चोरी को रोका जाता है।
- साइबर हमलों की निगरानी: विशेष सॉफ्टवेयर की सहायता से संभावित साइबर हमलों की पहचान और रोकथाम की जाती है।
- डेटा बैकअप और रिकवरी: किसी तकनीकी आपदा की स्थिति में डेटा रिकवर करने के लिए नियमित बैक अप प्रणाली अपनाई जाती है।

आलेख

⇒ **मानव संसाधन आधारित सुरक्षा** : कई बार सुरक्षा में सबसे बड़ा खतरा मानव भूल या आंतरिक षड्यंत्र से उत्पन्न होता है। इस कारण:

- कर्मचारियों की पृष्ठभूमि जांच: भर्ती से पहले प्रत्येक कर्मचारी की पूर्ववृत्ति की गहन जांच की जाती है।
- नियमित प्रशिक्षण: सुरक्षा प्रक्रियाओं, आपातकालीन स्थितियों और ग्राहकों के प्रति सजगता हेतु समय-समय पर कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाता है।
- KYC और ग्राहक पहचान: हर ग्राहक की जानकारी सावधानीपूर्वक एकत्रित की जाती है ताकि धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े से बचा जा सके।
- संदिग्ध गतिविधियों की पहचान: कर्मचारियों को किसी भी असामान्य व्यवहार या लेन-देन को पहचानने हेतु सतर्क किया जाता है।

⇒ **बैंक सुरक्षा प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियाँ:**

साइबर अपराधों में वृद्धि: तकनीकी विकास के साथ साइबर अपराधों की जटिलता भी बढ़ती जा रही है।

- आंतरिक धोखाधड़ी: कभी-कभी कर्मचारी ही सुरक्षा में सेंध लगा देते हैं।
- सतत अद्यतन की आवश्यकता: सुरक्षा तकनीकें समय-समय पर पुरानी हो जाती हैं, जिन्हें नियमित रूप से अपडेट करना जरूरी होता है।
- ग्राहकों की असावधानी: बैंक सुरक्षा का एक पक्ष ग्राहकों पर भी निर्भर करता है, जैसे कि अपने पासवर्ड या ओटीपी किसी के साथ साझा न करना।

⇒ **समाधान और सुझाव:**

- सुरक्षा तंत्र को नियमित अंतराल पर ऑडिट करना चाहिए।
- सुरक्षा उपकरणों और सॉफ्टवेयर को समय-समय पर अपग्रेड किया जाना चाहिए।
- ग्राहकों को भी जागरूक बनाना आवश्यक है – साइबर सुरक्षा, फर्जी कॉल्स से बचाव, और डिजिटल लेन-देन की सावधानियाँ समझाना आवश्यक है।

सभी शाखाओं में एकीकृत सुरक्षा प्रणाली लागू की जाए ताकि केंद्रीकृत रूप से निगरानी की जा सके।

बैंकिंग प्रणाली का आधार विश्वास है, और यह विश्वास तभी बना रह सकता है जब सुरक्षा व्यवस्था दृढ़ हो। बैंक शाखा में सुरक्षा प्रबंधन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह बैंक की नींव का अभिन्न अंग है। एक सक्षम, समन्वित और आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था न केवल बैंक की संपत्ति की रक्षा करती है, बल्कि ग्राहकों के मन में सुरक्षा और विश्वास की भावना भी जाग्रत करती है। यह आवश्यक है कि बैंक सुरक्षा को एक सतत प्रक्रिया के रूप में देखा जाए, जिसमें तकनीकी उन्नयन, मानवीय जागरूकता और प्रणालीगत सुधारों का सामंजस्य बना रहे।

कविताई

राजीव कुमार

वरिष्ठ प्रबंधक
लखरा शाखा

स्वप्रेम

माना कि तुम तक पहुँचती नहीं तपिश हमारी ।
इसका मतलब ये तो नहीं की हम सुलगते नहीं ।
चलो ये भी माना कि हसतें रहते हैं हम हमेशा ।
इसका मतलब ये तो क़तई नहीं की हम रोते नहीं ।
उम्मीद तो मेरी जान मुझे रहती है तुमसे हमेशा ।
मोहब्बत में तुम्हारी हम कभी भी जताते नहीं ।
हाँ होंगे तुम्हारे कुछ गिले शिकवे किसी से ।
इसका मतलब ये तो नहीं की हम रिश्ते निभाते नहीं।
आप किसी को याद करना चाहती नहीं ।
लेकिन हम तो आपको कभी भूल पाते नहीं।
ये भी खूब की तुम तक पहुँचती नहीं जीवन की डोर।
इसका मतलब ये तो नहीं की हम तुममें उम्मीद जगाते नहीं।
चलो रूठना मनाना एक दूसरे का चलता रहता है
इसका मतलब ये तो नहीं की हम ख़ुद के पास जाते नहीं।

सतर्कता जागरूकता अभियान के अवसर पर वाकाथन

अंचल कार्यालय गुवाहाटी द्वारा सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत वाकाथन का आयोजन किया गया जिसमें अंचल प्रमुख, उप अंचल प्रमुख सहित अंचल कार्यालय एवं शाखाओं से स्टाफ सदस्यों ने सक्रियता से भाग लिया ।

अंचल कार्यालय में संविधान दिवस का आयोजन

भारत सरकार के निर्देशानुसार यूको बैंक, अंचल कार्यालय गुवाहाटी में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर के तीनों अंचल प्रमुख एक साथ ही उपस्थित थे। तीनों अंचल प्रमुखों ने दीप प्रज्वलन कर बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ-साथ अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी इस अवसर पर संविधान निर्माता डॉ. भीमराव बाबा साहब अंबेडकर जी को श्रद्धांजलि अर्पित की ।

अंचल कार्यालय की दिवाली

अंचल कार्यालय गुवाहाटी में स्टाफ सदस्यों के बीच दिवाली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लौटरी का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी ने उत्साह पूर्वक भाग लिया ।

नवंबर, 2024 माह में गुवाहाटी के सितारे बुलंद

कार्यपालक निदेशक द्वै का गुवाहाटी दौरा

दिनांक 19.12.2024 को कार्यपालक निदेशक-I श्री राजेन्द्र कुमार साबू जी ने गुवाहाटी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गुवाहाटी शहर स्थित सभी शाखाओं के एचएनआई ग्राहकों के साथ एक बैठक की।

कार्यपालक निदेशक -II श्री विजय एन कांबले ने भी गुवाहाटी अंचल कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गुवाहाटी अंचल के व्यवसाय की समीक्षा की एवं विभिन्न मदों पर स्टाफ सदस्यों से बात भी की।
प्रस्तुत है कार्यालय में उनके साथ ली गई तस्वीर।

अंचल कार्यालय गुवाहाटी में महापरिनिर्वाण दिवस का आयोजन

महापरिनिर्वाण दिवस डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के रूप में मनाया जाता है, जो हर साल 6 दिसंबर को पड़ता है। यह दिन उनके योगदान, विचारों और समाज सुधार के प्रति समर्पण को याद करने के लिए मनाया जाता है। अंबेडकर ने अपना जीवन सामाजिक न्याय और समानता के लिए समर्पित किया था। उन्होंने बौद्ध धर्म को अपनाकर जाति-आधारित असमानता और भेदभाव का विरोध किया। महापरिनिर्वाण दिवस की शुरुआत 6 दिसंबर 1956 को डॉ. भीमराव अंबेडकर के निधन के बाद से हुई थी। यह दिन उनके सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों के लिए किए गए संघर्ष को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है। तब से हर साल 6 दिसंबर को यह दिन मनाया जाता है, जिसमें देशभर के लोग डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि देते हैं और उनके आदर्शों को याद करते हैं।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक), गुवाहाटी जिसका संयोजक भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय गुवाहाटी द्वारा वार्षिक राजभाषा शिल्ड प्रतियोगिता के तहत वित्तीय वर्ष **2023-24** में राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट निष्पादन के लिए **यूको बैंक, अंचल कार्यालय गुवाहाटी** को **द्वितीय पुरस्कार** प्रदान किया गया। आपको बताते चलें कि **पिछले 3** वित्तीय वर्ष से **यूको बैंक को लगातार नराकास (बैंक) गुवाहाटी का पुरस्कार प्राप्त हो रहा है।**

12 वां यूको बैंक अखिल भारतीय राजभाषा अधिकारी सम्मेलन

प्रधान कार्यालय, राजभाषा विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष अंचलों में हो रहे राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा हेतु अखिल भारतीय स्तर पर राजभाषा अधिकारी सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में **12 वां यूको बैंक अखिल भारतीय राजभाषा अधिकारी सम्मेलन दिनांक 16-18 दिसंबर, 2024** को सेंट्रल स्टाफ कॉलेज, कोलकाता में आयोजित किया गया।

उद्घाटन सत्र के दौरान मंच पर उपस्थित **श्री बीजितेंद्र मंडल**, प्राचार्य, सेंट्रल स्टाफ कॉलेज, **श्री राजेश उपाध्याय**, महाप्रबंधक, **श्री नेवर जी**, वरिष्ठ पत्रकार एवं **श्री आलोक चतुर्वेदी**, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), भारतीय स्टेट बैंक

जनवरी 2025 माह में गुवाहाटी अंचल के सितारे

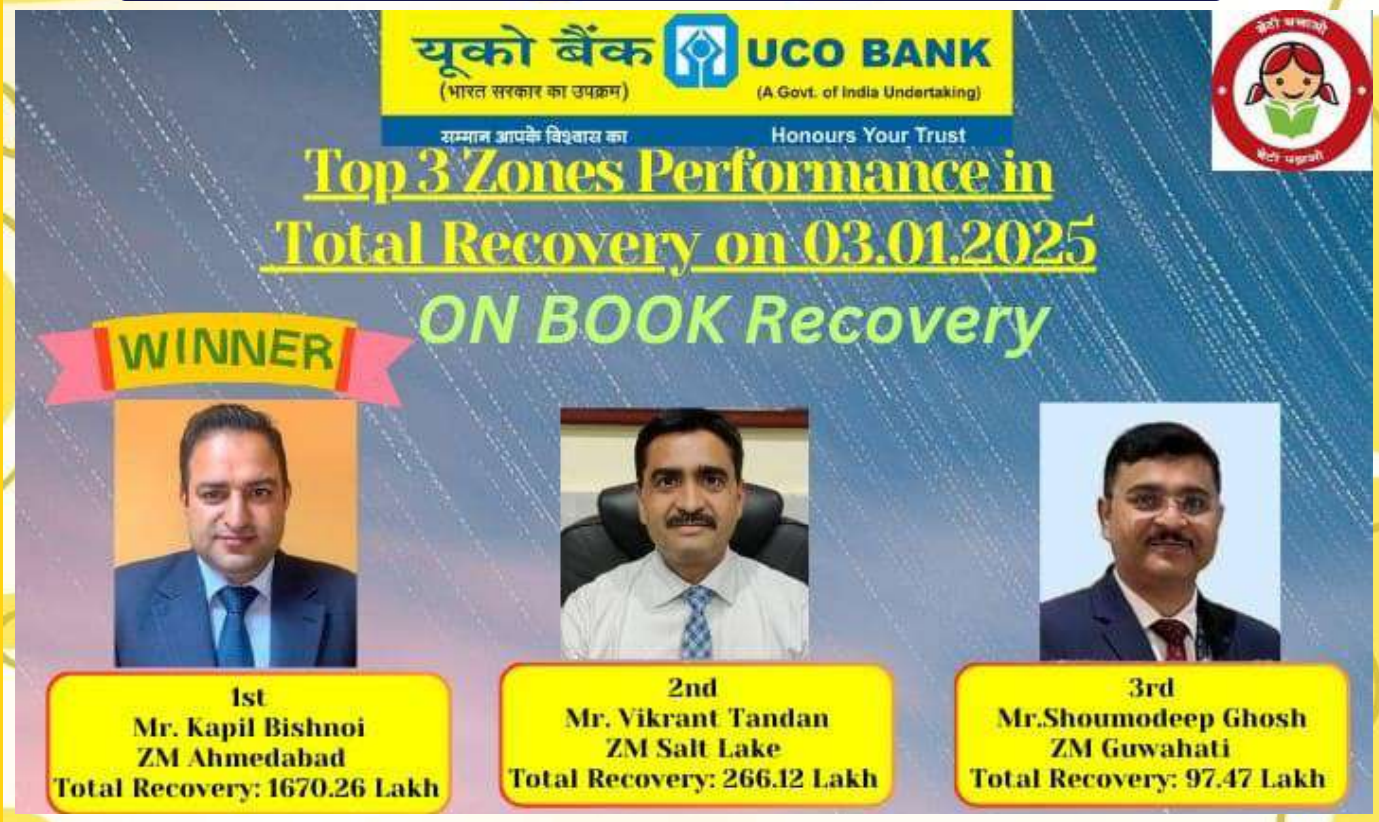

बैंक का 83वां स्थापना दिवस

अंचल कार्यालय गुवाहाटी ने हर्षोल्लास के साथ अपना 83 वां स्थापना दिवस मनाया । इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री सौम्यदीप घोष, एफ़आई गुवाहाटी प्रमुख श्री संजय नंदूरकर एवं अन्य कार्यपालकगण तथा स्टाफ सदस्यगण ने दीप प्रज्वलन कर बैंक के संस्थापक श्रद्धेय घनश्याम दास बिड़ला जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद पाश्चात्य शैली में केक काट कर खुशियाँ मनाई गई।

इस अवसर पर स्टाफ सदस्यों एवं परिवारजनों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर एवं रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया।

इस खुशी के मौके पर हमारे चैनल पार्टनर एसबीआई लाइफ ने भी हमारे साथ केक काटकर खुशी व्यक्त की। केक काटते हुए अंचल प्रमुख श्री सौम्यदीप घोष, उप अंचल प्रमुख श्री ख्रिली पिन्यू एवं साथ में एसबीआई लाइफ के अधिकारीगण ।

विश्व हिंदी दिवस - 2025

विश्व हिंदी दिवस हर साल 10 जनवरी को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य विश्व में हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना और लोगों को हिंदी भाषा के प्रति जागरूक करना है। यह दिन हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करने और इसके महत्व को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है।

विश्व हिंदी दिवस की शुरुआत 10 जनवरी 2006 से हुई, जब भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इसे मनाने की घोषणा की। हालांकि, पहला विश्व हिंदी सम्मेलन 1975 में नागपुर में आयोजित हुआ था, जिसका उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने किया था।

विश्व हिंदी दिवस का महत्व :-

हिंदी को विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा के रूप में बढ़ावा देना।

हिंदी के माध्यम से सांस्कृतिक गौरव और एकता को बढ़ावा देना।

वैश्विक संचार भाषा के रूप में हिंदी के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना।

विश्व हिंदी दिवस 2025 की थीम :- **विश्व हिंदी दिवस 2025** की थीम है **"हिंदी एकता और सांस्कृतिक गौरव की वैश्विक आवाज़",** जो हिंदी के माध्यम से भाषाई आदान-प्रदान और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। विश्व हिंदी दिवस हमें हिंदी भाषा के महत्व और इसके प्रचार-प्रसार के बारे में जागरूक करता है। यह दिन हमें हिंदी को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने और इसके सांस्कृतिक महत्व को समझने का अवसर प्रदान करता है

इस अवसर पर अंचल कार्यालय गुवाहाटी में स्टाफ सदस्यों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में **श्री राम एकबाल यादव**, अनुसंधान अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्वोत्तर क्षेत्र), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त **श्री संजय नंदूरकर**, क्षेत्र निरीक्षणालय प्रमुख, **श्री जीतेंद्र कुमार**, सहायक महाप्रबंधक भी बैंक की तरफ से अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कुल मिलाकर चार राउंड में सम्पन्न हुआ जिसमें राजभाषा, बैंकिंग, चित्र एव लोगो शामिल था।

प्रतियोगिता अत्यंत ही रोचक रही । सभी प्रतिभागियों ने इसमें रूचिपूर्वक भाग लिया तथा इसकी अत्यंत सराहना भी की।

अंचल कार्यालय में 75 वां गणतंत्र दिवस समारोह

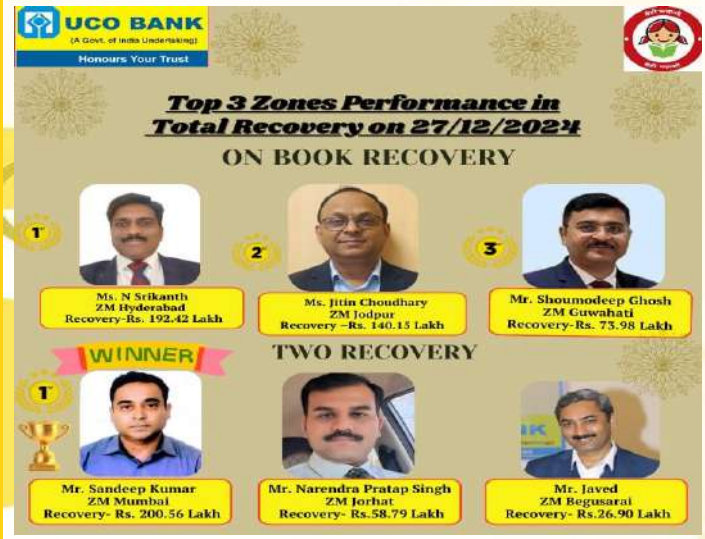

83 वाँ वर्ष राष्ट्र के विश्वास के नाम

यूको बैंक एमएसएमई, कृषि एवं संसाधन कार्निवल का आयोजन

यूको बैंक, गुवाहाटी अंचल द्वारा दिनांक **27.02.2025** को प्रगज्योति ITA सेंटर, माछखोवा में **यूको बैंक एमएसएमई, कृषि एवं संसाधन कार्निवल** का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान कार्यालय कोलकाता से **श्री शशि कान्त कुमार, महाप्रबंधक, जोखिम प्रबंधन विभाग** उपस्थित थे । इसके अतिरिक्त **श्री उमेश कुमार,** महाप्रबंधक, डीआईसीसी, कामरूप मेट्रोपोलिटन, कामरूप मेट्रो की DPM **सुश्री सिवालिका मेधी** मैडम, अंचल प्रमुख, **श्री सौम्यदीप घोष** सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे। इसमें विभिन्न शाखाओं से करीब 130 SHG सदस्य एवं अन्य एमएसएमई ग्राहकों ने भाग लिया और उन्हें संबंधित शाखाओं द्वारा स्वीकृति पत्र के साथ-साथ एक प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया। इन सब के अलावा बैंक द्वारा कुछ प्रमुख ग्राहकों को भी सम्मानित किया गया जो बैंक के साथ कई वर्षों से जुड़े हुए हैं। बैंक ने उनका धन्यवाद ज्ञपित किया। कुल मिलाकर इस दिन 35 करोड़ रुपये का कृषि एवं एमएसएमएसई ऋण की संस्वीकृति दी गई। यूको बैंक भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रत्येक 15 दिनों में ऐसे आयोजन कर रहा है।

यूको बैंक एमएसएमई, कृषि व संसाधन कार्निवल संपन्न

▲ पूर्वोदय संवाददाता

गुवाहाटी, 28 फरवरी। यूको बैंक, गुवाहाटी अंचल द्वारा वृहस्पतिवार को गुवाहाटी महानगर के माछखोवा स्थित प्रागज्योति आईटीए सेंटर में 'यूको बैंक एमएसएमई, कृषि एवं संसाधन कार्निवल' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान कार्यालय, कोलकाता से शशि कान्त कुमार (महाप्रबंधक, जोखिम प्रबंधन विभाग) उपस्थित थे। इसके अलावा उमेश कुमार (महाप्रबंधक, डीआईसीसी, कामरूप महानगर), कामरूप महानगर की डीपीएमए सुश्री सिवालिका मेधी, अंचल प्रमुख सौम्यदीप घोष सहित अन्य गणमान्य लोगों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में बैंक की विभिन्न शाखाओं से करीब 130 स्वयं सहायता समूह के सदस्य एवं अन्य एमएसएमई ग्राहकों ने भाग लिया और उन्हें संबंधित शाखाओं द्वारा स्वीकृति पत्र के साथ-साथ एक प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया। इसके अलावा बैंक द्वारा कुछ प्रमुख ग्राहकों को भी सम्मानित किया गया, जो बैंक के साथ कई वर्षों से जुड़े हुए हैं। इस दौरान 35 करोड़ रुपए का कृषि एवं एमएसएमएसई ऋण की संस्वीकृति दी गई।

83 वाँ वर्ष राष्ट्र के विश्वास के नाम
यूको बैंक UCO BANK

सुरक्षा परामर्शिका

CSOC

कार्ड को अनधिकृत या कपटपूर्ण गतिविधियों से बचाएं

आजकल, **अंतरराष्ट्रीय लेनदेन को लक्षित करने वाले डेबिट कार्ड धोखाधड़ी में वृद्धि हुई है।** अपनी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रखने के लिए, **जरूरत न होने पर अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन को 'अक्षम' करने की हम दृढ़ता से अनुशंसा करते हैं।**

कार्ड उपयोग नियंत्रण को प्रबंधित करें:

यूको एमबैंकिंग प्लस ऐप में उपलब्ध यूको डिजीसेफ़

या

यूको सिक्योर ऐप

के माध्यम से

सुरक्षित रहने के लिए सर्वोत्तम अभ्यास

- **अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन अक्षम करें:** आवश्यकता न होने पर अपने **कार्ड के अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन मोड को अक्षम रखें।**
- **केवल आवश्यकता होने पर ही सक्षम करें:** यदि अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन के उपयोग की आवश्यकता है, तो इसे **सक्षम करें और इसके उपयोग के तुरंत बाद अक्षम करें।**
- **यूको डिजीसेफ़ तथा यूको सिक्योर ऐप की अन्य सुरक्षा सुविधाओं का उपयोग करें:**
  - उपयोग में न होने पर **डिजिटल बैंकिंग चैनल अक्षम** करें।
  - अपनी आवश्यकता के अनुसार **लेन-देन की सीमा निर्धारित** करें।
- ✗ कभी भी **व्यक्तिगत, संवेदनशील या वित्तीय जानकारी** जैसे कार्ड नंबर, सीवीवी, पिन, ओटीपी, पासवर्ड, यूपीआई पिन, आधार नंबर आदि किसी के साथ **साझा न करें।**
- धोखाधड़ी वाले कॉल, एसएमएस या व्हाट्सएप की रिपोर्ट **चक्षु पोर्टल** (*sancharsaathi.gov.in*) पर करें।
- हेल्पलाइन नंबर **1930** डायल करके साइबर धोखाधड़ी की घटनाओं की रिपोर्ट करें और साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल *cybercrime.gov.in* पर शिकायत दर्ज करें।

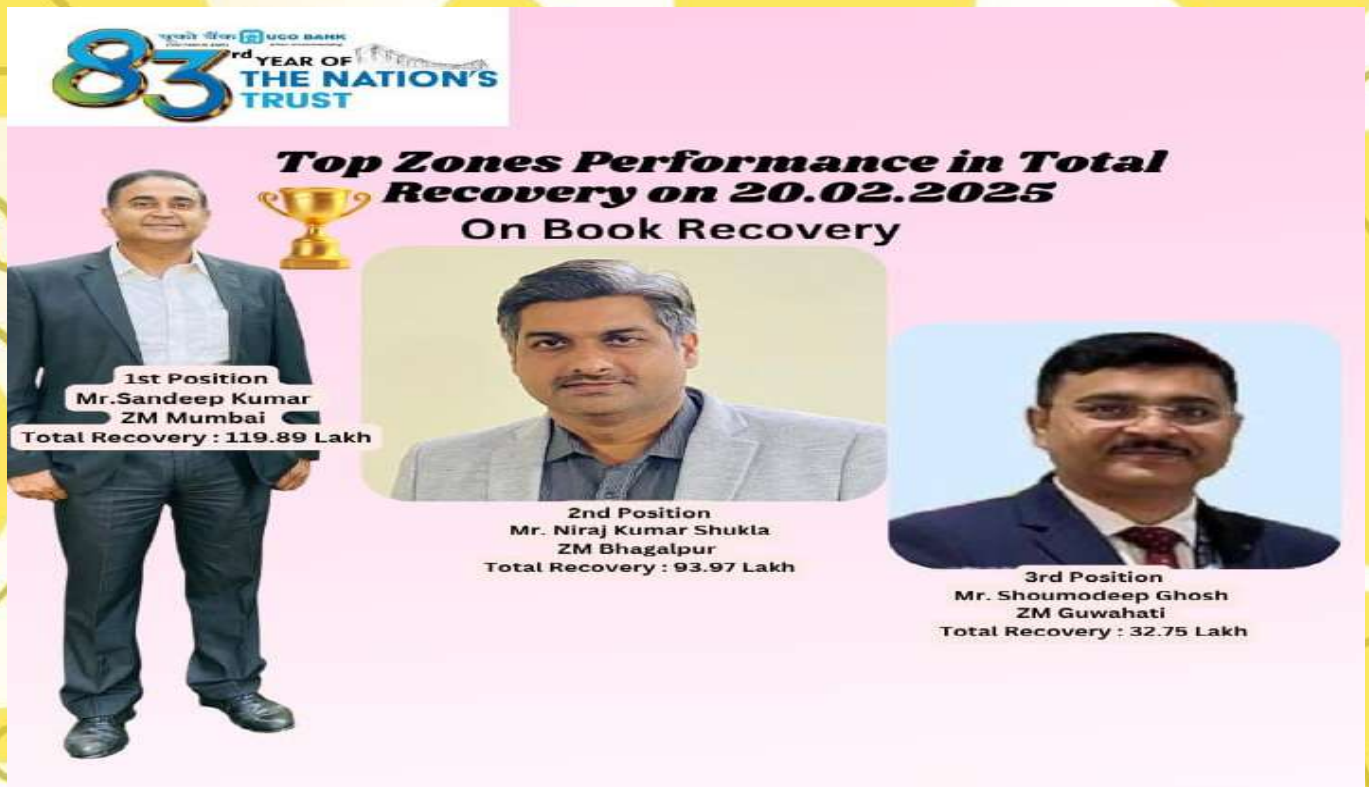
83rd YEAR OF THE NATION'S TRUST
Top Zones Performance in Total Recovery on 20.02.2025
On Book Recovery
1st Position
Mr.Sandeep Kumar
ZM Mumbai
Total Recovery : 119.89 Lakh
2nd Position
Mr. Niraj Kumar Shukla
ZM Bhagalpur
Total Recovery : 93.97 Lakh
3rd Position
Mr. Shoumodeep Ghosh
ZM Guwahati
Total Recovery : 32.75 Lakh

Digital Premier League
TOP PERFORMERS
In Digital Products on 11th Feb 2025
Vikrant Tandan
mBanking Activation
Achievement 1057
ZM-Saltlake
Shoumodeep Ghosh
Debit Card Fresh Issuance
Achievement 452
ZM-Guwahati
Rahul Ranjan
Achievement 244
ZM-Jalandhar

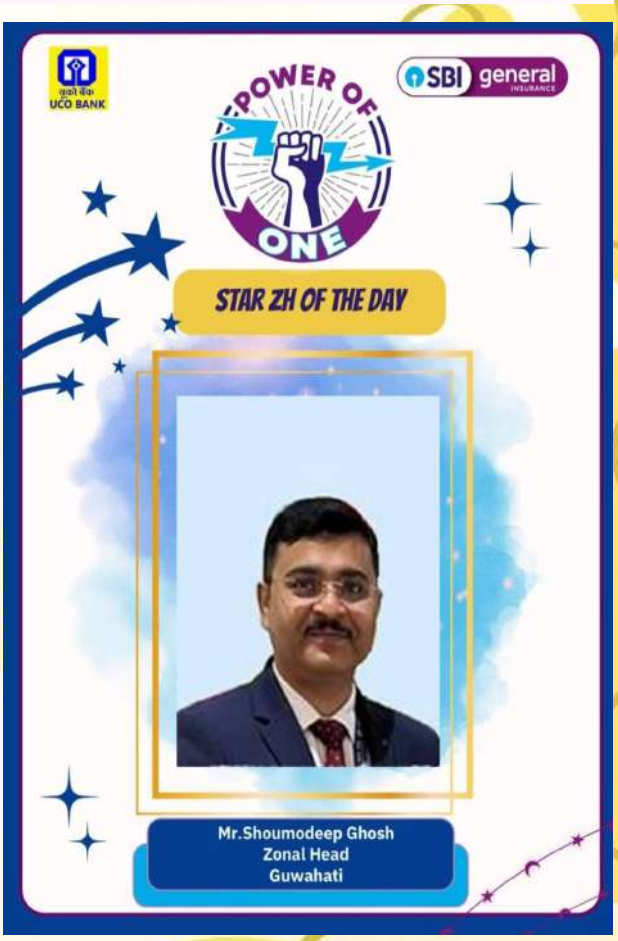
POWER OF ONE
STAR ZH OF THE DAY
Mr.Shoumodeep Ghosh
Zonal Head
Guwahati

Congratulations
Mr. Bichitra Narayan Talukdar &
Mriganka Sekhar Chanda
For Mobilizing 5,00,000
in Mutual Fund & 1 Demat
Branch : Tamulpur
Zone : Guwahati

पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रों का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन - गुवाहाटी

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ष क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय स्तर पर कार्य कर रहे भारत सरकार के विभिन्न कार्यालयों/मंत्रालयों/बैंको/उपक्रमों को वार्षिक क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार प्रदान करना है। क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार कार्यालय द्वारा एक वर्ष के दौरान राजभाषा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है।

पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रों का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन इस वर्ष गुवाहाटी में दिनांक **05.03.2025** को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में असम के **माननीय मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्व शर्मा** उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त अन्य कामरूप मेट्रो के दो सांसदगण भी उपस्थित थे।

माननीय मुख्यमंत्री असम श्री हिमंत बिस्व शर्मा कार्यक्रम के दौरान अपना संबोधन देते हुए

पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रों का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन - गुवाहाटी

पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रों का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन, गुवाहाटी में यूको बैंक द्वारा लगाए गए राजभाषा प्रदर्शनी का उदघाटन करते हुए प्रधान कार्यालय से पधारे महाप्रबंधक श्री राजेश नागर जी, साथ में हैं श्री संजय नंदूरकर जी, उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्र निरीक्षणालय प्रमुख, गुवाहाटी तथा श्री ख्रिली पिन्यू, उप अंचल प्रमुख, गुवाहाटी अंचल

पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रों का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन, गुवाहाटी में यूको बैंक द्वारा लगाए गए राजभाषा प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कामरूप मेट्रो के सांसद महोदय श्री दिलीप सइकिया जी, साथ में हैं यूको बैंक के अन्य अधिकारीगण

व्हाट्सएप प्रतिरूपण घोटाले
से सावधान रहें !

चेतावनी संकेत

- ⚠ संस्था के वरिष्ठ अधिकारियों/शीर्ष प्रबंधन से आने का दिखावा करता है।
- ⚠ तत्काल मौद्रिक सहायता की मांग करना, जैसे गुमनाम खाते में धन हस्तांतरण, उपहार कार्ड खरीदना आदि।
- ⚠ तत्काल कार्रवाई के लिए दबाव बनाना।
- ⚠ फोन पर किसी निश्चित अवधि के लिए संबंधित अधिकारी/शीर्ष प्रबंधन की अनुपलब्धता के बारे में सूचित करना।

ऐसे घोटाले से बचने के लिए सुझाव

- ✘ सिर्फ वॉट्सऐप प्रोफाइल पिक्चर से मैच करके मैसेज पर भरोसा न करें।
- ✘ अज्ञात/अज्ञात नंबर से प्राप्त संदेशों का जवाब देने से बचें।
- ✘ किसी भी अजनबी के कहने पर कभी भी पैसे का लेन-देन न करें या गिफ्ट कार्ड न खरीदें।
- ✔ संदेश की प्रामाणिकता की पुष्टि हमेशा ज्ञात विश्वसनीय स्रोतों से करें।
- ✔ सरकार के चक्षु पोर्टल (https://sancharsaath.gov.in) पर संदिग्ध संचार की रिपोर्ट करें
- ✔ साइबर अपराध और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की रिपोर्ट साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 और रिपोर्टिंग पोर्टल (https://www.cybercrime.gov.in) पर करें।

सतर्क रहें.. सुरक्षित रहें

जन्मदिन

नन्हें कलाकार

नाम - त्रिशा अभिश्री जेना
कक्षा - 5
विद्यालय - सरस्वती शिशु विद्या मंदिर
सुपुत्री - श्री अभिनंदन जेना, वरिष्ठ प्रबंधक, क्षेत्र निरीक्षणालय गुवाहाटी

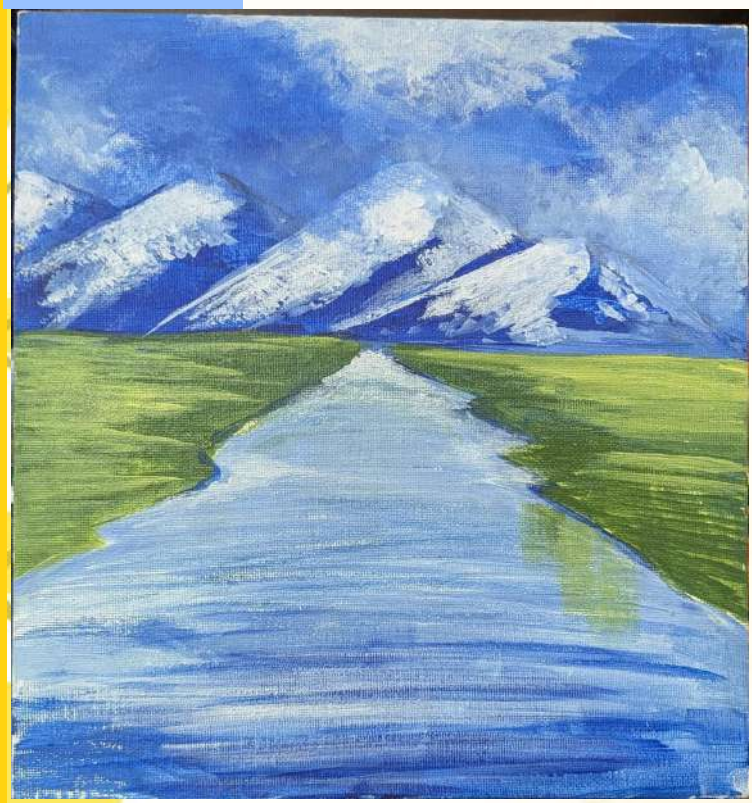

नाम - प्रयाग राय
सुपुत्र - सुश्री डिंपी दास राय, प्रबंधक, एसएमई, केंद्र, गुवाहाटी
विद्यालय - एक्स्ल पब्लिक स्कूल
कक्षा - केजी

नाम - अक्षिता रॉय गुप्ता
सुपुत्री - श्री विशाल कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक-राजभाषा, गुवाहाटी अंचल
विद्यालय - केंद्रीय विद्यालय, खानापारा, गुवाहाटी
कक्षा - 2 ए

बरसात में करें अजवाइन पानी का सेवन, बचे रहेंगे संक्रमण से

बरसात के मौसम में कीट पतंगों और बैक्टीरिया, वायरस की बहुतायत होने से हमारे बीमार होने का डर बना रहता है। जरा-सी लापरवाही के चलते हम संक्रमण की चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में हमें अपनी डाइट में उन चीजों को शामिल करना चाहिए जो हमें इन संक्रमणों से बचाने में कारगर साबित होते हैं। अजवाइन ऐसा ही एक मसाला है, जो हर रसाई में मौजूद होता है। बरसात के मौसम में इसका पानी पीने से हम पाचन संबंधी समस्याओं और संक्रमण से बचे रहते हैं। असल में अजवाइन एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल, एंटी इंफ्लामेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। इसी कारण यह न केवल संक्रमण से लड़ने में हमारी सहायता करता है, बल्कि शरीर को डिटॉक्सिफाई करने और पाचन को बेहतर बनाने में भी सहायक सिद्ध होता है।

आइए जानते हैं बरसात के मौसम में अजवाइन के लाभ के बारे में पाचन में सुधारः अजवाइन का पानी पीने से हमारी पाचन क्रिया बेहतर होती है। यह गैस, अपच और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मददगार साबित होता है। अजवाइन में थाइमॉल नामक तत्व पाया जाता है, जो खाना को अच्छी तरह पचाने में मदद करता है, इससे हम गैस व अपच से बचे रहते हैं। इसके पानी के सेवन से एसिडिटी और पेट में भारीपन महसूस होने की समस्या से भी राहत मिलती है।

डायरिया से बचाता हैः बरसात के मौसम में पानी व भोज्य पदार्थ जल्दी दूषित हो जाते हैं। नतीजा पेट खराब होने, उल्टी होने और डायरिया के रूप में सामने आता है। अजवाइन पानी का सेवन हमें इन सभी परेशानियों से बचाता है। इस मसाले का एंटी-माइक्रोबियल गुण पेट खराब करने वाले व डायरिया उत्पन्न करने वाले बैक्टीरिया से लड़ते हैं और हमें बीमार होने से बचाते हैं।

यदि मॉनसून में आपको उल्टी-दस्त लगने की समस्या हो जाती है, तो रोज अजवाइन पानी का सेवन आपको इस परेशानी से बचा सकता है।

सर्दी-जुकाम से दिलाता है राहतः अजवाइन एंटी-ऑक्सीडेंट के गुणों से युक्त होता है। इस कारण इसका सेवन हमारी इम्यूनिटी को मजबूत बनाता इसके साथ ही इसमें एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण भी होते हैं। अजवाइन में मौजूद इन सभी गुणों के कारण ही इसका सेवन हमें सर्दी-जुकाम से बचाता है।

पीरियड में लाभकारीः पीरियड के समय कई महिलाओं को पेट दर्द और पेट में ऐंठन की परेशानी से दो-चार होना पड़ता है। अजवाइन का गुनगुना पानी पेट दर्द और ऐंठन को कम करने में मदद करता है।

शरीर को करता है डिटॉक्सः अजवाइन का पानी हमारे शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में न भी मददगार साबित होता है। इससे हम स्वस्थ बने रहते हैं।

सूजन कम करता है: बरसात के मौसम में कई लोगों को हड्डियों में सूजन की परेशानी होती है। अजवाइन में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो न केवल हड्डियों की सूजन को, बल्कि शरीर की सूजन को भी कम करने में द सहायक होते हैं।

ऐसे तैयार करें अजवाइन का पानी : अजवाइन का पानी बनाने के दो तरीके हैं। पहला, एक गिलास पानी में लगभग एक चम्मच अजवाइन को भिगोकर रातभर के लिए छोड़ दें। सुबह उठने के बाद इस पानी का सेवन करें। दूसरा तरीका है कि डेढ़ ग्लास पानी में एक चम्मच अजवाइन को डालकर उबाल लें। ठंडा होने के बाद इस पानी को छानकर एक गिलास में रख लें। जब पानी गुनगुना रह जाए, तब इसे पीएं। आप चाहें तो अजवाइन पानी में स्वादानुसार काला नमक भी डाल सकते हैं।

साभार - दैनिक पूर्वोदय

देशी पेय - सत्तू का शर्बत

सत्तू का शरबत एक बहुत ही सेहतमंद और ठंडक देने वाला पेय है, जो खास तौर पर गर्मियों में पिया जाता है। इसे चना से बनाया जाता है। इसमें प्रोटीन, फाइबर और कई ज़रूरी मिनरल्स होते हैं। इसे विशेष तौर बिहार और यूपी में इस्तेमाल किया जाता है। इसे देशी पेय-पदार्थ के नाम से भी जानते हैं।

बिहार और यूपी में समान्यतः गर्मी बहुत पड़ती है। ऐसे लोग गर्मी से राहत पाने के लिए विभिन्न प्रकार के शीतल पेय, कोल्ड-ड्रिंक आदि का पान करते हैं जो कि सेहत के लिए कई बार नुकसान देह भी होता है।

सत्तू का शर्बत एक सेहतमंद पेय है । गर्मियों में इसका उपयोग अत्यंत लाभकारी है। इसके उपयोग के अनेक फायदे हैं:

- शरीर को ठंडक देता है ।
- लंबे समय तक पेट भरा रखता है।
- पाचन शक्ति को बेहतर करता है एवं एनर्जी से भरपूर होता है।

सत्तू का शर्बत बनाना बहुत ही आसान है। आइए, जानते हैं इसे बनाने की विधि एवं रेसिपी -

सामग्री -

- सत्तू – 2 टेबलस्पून या अपनी जरूरत के अनुसार
- ठंडा पानी – 1 ग्लास
- भुना जीरा पाउडर – ½ टीस्पून
- काला नमक – स्वाद अनुसार
- नींबू का रस – 1 टीस्पून
- कटी हुई हरी मिर्च, काटा हुआ प्याज और बारीक कटा धनिया – (ऐच्छिक)
- पीसी हुई धनिया और पुदीना की चटनी (स्वाद को बेहतर बनती है)

एक बड़े बर्तन में सत्तू और पानी ले लें।अब इसमें काला नमक, जीरा पाउडर और नींबू रस डालें और इसे अच्छी तरह मिलाएं। ऊपर से काटा हुआ धनिया, कटी हुई मिर्च और काटा हुआ प्याज डालें। अगर पसंद न हो तो आप इसे नहीं भी दाल सकते हैं। अच्छी तरह से मिलाने के बाद धनिया और पुदीना की चटनी डालकर फिर बर्फ डालें (इच्छानुसार) और तुरंत पिएं। आपको ताजगी का एहसास होगा।

अगर आप चाहें तो इसे सुबह नाश्ते में या दोपहर को लू से बचाव के लिए ले सकते हैं। समान्यतः उत्तर भारत में इसका सेवन बहुत किया जाता है। परंतु आज के समय में इसके लाभ को देखते हुए धीरे-धीरे यह पूरे भारत में प्रसिद्ध हो गया है और इसकी मांग बढने लगी है।

आप-बीती

कड़वा सच

अनिमेष कुमार गुप्ता
वरिष्ठ प्रबंधक
कोकराझार शाखा

सरस्वती को डिफेन्स से फॅमिली पेंशन मिलती है। पति ने पहले डिफेन्स से रिटायरमेंट ली फिर एक दिन इस दुनिया से भी रिटायर हो गया। जिस दिन पहली बार उसके घर गया था, उस दिन रिकॉर्ड में दर्ज उस महिला की तस्वीर देखी थी। सौम्य सी एक महिला, पोपले मुंह से मुस्कुराती, तुलसी की माला पहनी हुई। गुलगुल से गालों वाली उस महिला को देखते ही दादी की याद आ गई। मलयालम में ही किया हुआ उसका हस्ताक्षर भी स्क्रीन पर उभर आया था। अब वह बिस्तर पर पड़ गई है, न तो चल फिर सकती है न ही हस्ताक्षर ही कर सकती है। महीने में एक बार उसका विशालकाय पुत्र आता है और मैं अंगूठे के निशान लेने हेतु उसके साथ उसके घर तक जाता हूँ।

न जाने कितने कतर व्योंत कर के कितनी ही कठिनाइयां उठा कर सरस्वती और उसके पति ने जिसे बनाया होगा, कई कमरों वाले उसके उसी घर के बाहरी कमरे में एक लोहे का फोल्डिंग बेड डाला गया है ठीक वैसा ही जैसा कि अस्पतालों में होता है। बेड पर एक गद्दा बिछा है ,जिसे कि गद्दा कहने से पहले कई बार सोचना पड़ेगा। उसके ऊपर प्लास्टिक की एक शीट बिछी हुई है, एक मैली सी चादर डाल कर उसके ऊपर लिटाया गया है सरस्वती को। एक डायपर और एक नाइटी पहने, क्या यही सरस्वती है? सहसा विश्वास ही नहीं कर पाया था मैं। सूख कर काला या चितकबरा कहना बेहतर रहेगा, ऐसा उसका पूरा शरीर हो गया था। हाथ पैर अलकतरा जम चुकी लकड़ियों जैसे हो गए थे। आँखें लगता है जैसे निरंतर खुली ही रहतीं हों, निश्चेष्ट सी वो पथराई आँखें उपर सीलिंग से झूलती, मजबूरी में घूमती पंखे पर चिपटी पड़ीं थीं। बचपन में मैंने कई बार गुड़ियों के बाल नोच कर उन्हें कुरुप बना डाले थे। यदि किसी ने बाल नुची हुई गुड़िया देखी होगी, तो वह उसकी भयावहता का अंदाजा लगा सकता है। बचे खुचे दो चार बालों ने सरस्वती को भयानक बना दिया था, इतना भयानक कि यदि कोई कमजोर दिल का आदमी उसे देख ले तो रात को नींद न ले पाए। कई कई दिनों के जले हुए कोयले के निशान धरती पर बिखरे पड़े हैं, इसके बावजूद एक अभागा मच्छर न जाने कहाँ से आकर उसके सूख चुके चमड़े वाले गाल पर आ बैठता है। उफ्फ! उसे उसके काटने का भी अनुभव नहीं होता है। चप्प-चप्प की आवाज मुँह से निकाल चुकने के बाद वो अपने सूखे जीभ को सूखे होंठों पर फेर कर उन्हें गीला करने की झूठी कोशिश करती है।

सरस्वती का बेटा उसे कमर से पकड़ कर सीधा करता है, और उसकी पत्नी अखबार की गद्दी बना कर, उसपर निकासी वाउचर रख कर उसके अंगूठे का निशान लगवाती है तो ध्यान उसके हाथों की उँगलियों पर जाते हैं। नाखून विशेष कर अंगूठे वाला एकदम से बढ़ कर लकड़ी जैसे सख्त दिखाई देते हैं। उन्हें काटने के लिए छेनी की ही आवश्यकता होगी। उठाने के क्रम में मुझे उसके खुले हुए मुँह से खर्ड़-खर्र जैसी सांसों की आवाज सुनाई पड़ी जिससे यह माना जा सके कि अभी उस देह में प्राण शेष हैं। जब उसके अंगूठे को स्टाम्प पैड पर रगड़ कर निकासी फॉर्म पर दबाया गया तो उसके मुँह से एक दर्द भरी बेहद हल्की सी आह निकली जिसने मेरी रीढ़ की हड्डी तक को ठंडा कर दिया। उसके अंगूठे से थोड़ा सा पीप (मवाद) निकल कर अंगूठे के निशान के बगल में पसर गया। सरस्वती को यथावत लिटा दिया गया। लाल पीले मवाद के दाग लगे उस नीले निकासी पत्र को जब मैंने अपनी जेब के हवाले किया तो एक साथ कई कई भावों ने मुझ पर हमला कर दिया।

घृणा, विषाद के साथ साथ जीवन की अनिश्चितता के भाव मन पर छाने लगे और एक ही पल में सारा दृश्य जगत आँखों से अदृश्य होने लगा।

किसी भी चित्रकार से यदि जीवन के लिए कोई रंग चुनने को कहा जाए तो वह कौन सा रँग चुनेगा? कोई भी हल्का सा शुभ्र रँग! सफ़ेद, आसमानी या संभवतया धानी रँग। लेकिन यदि उसे मृत्यु की तस्वीर बनानी हो तो वह निस्संदेह काला रँग ही चुनेगा। कला की कोई भी विधा हो वह जीवन को सुन्दर और मृत्यु को असुंदर ही मानती है।

मृत्यु क्या सच में इतनी असुंदर है? जो मृत्यु सरस्वती के इस भयावह जीवन से उसे मुक्त कर सकती है, क्या वह असुंदर होगी?

हर महीने जब मैं उसके यहाँ से आता हूँ तो यही लगता है कि अगली बार नहीं आना होगा। मृत्यु उसका वरण कर लेती तो श्मशान में जलती लकड़ियों के साथ उसके सूखे हुए नाखून भी चट चट कर के जल उठते।

पिछले अनेक महीनों की तरह सरस्वती का बेटा अपनी यूनीकोर्न मोटरसाइकल लेकर आ गया है। हर बार की तरह मन में एक वितृष्णा सी उत्पन्न होती है और हर बार ही की भांति स्टाम्प पैड और निकासी पत्र लेकर मैं उस भीमकाय व्यक्ति के साथ उसकी मोटरसाइकल के पीछे बैठ जाता हूँ।

आमुख लेख

असम और इसके त्योहार

सुप्रभा कुमारी
प्रबंधक
अंचल कार्यालय

भारत का पूर्वोत्तर राज्य असम न केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता, चाय बगानों और ब्रह्मपुत्र नदी के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यहाँ की विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत और रंग-बिरंगे त्यौहारों के लिए भी जाना जाता है। यहाँ के त्यौहार लोक जीवन, कृषि, धर्म और सामाजिक समरसता से गहराई से जुड़े हुए हैं। ये त्यौहार असमिया समाज की एकता, परंपरा और आनंद को प्रकट करते हैं। तो आइए, जानते हैं असम के कुछ प्रमुख त्योहारों के बारे में :-

⇒ **बिहू :-** बिहू, जिसे असम की आत्मा भी कहा जाता है, असम का सबसे प्रमुख और लोकप्रिय त्योहार है। यह असम की संस्कृति, कृषि जीवन और परंपराओं का प्रतीक है। यह त्योहार वर्ष में तीन बार मनाया जाता है। तो आइए, प्रत्येक बिहू के बारे में विस्तार से जानते हैं।

- **भोगाली बिहू :- समय, जनवरी (माघ माह); स्वरूप, फसल कटाई का उत्सव ।** यह असम के किसानों के परिश्रम का उत्सव है, जब धान के फसल की कटाई हो चुकी होती है, तब यह उत्सव मनाया जाता है। मेझी और बेलघोर नमक बांस और घास से बने अस्थायी ढांचे बनाए जाते है, जिनमें अलाव जलाया जाता है। इस अवसर पर रात्रि भोज (उरूका) का आयोजन किया जाता है। इसमें ग्रामीण सामूहिक रूप से विभिन्न व्यंजन बनाते हैं और खाते हैं। इसमें पारंपरिक व्यंजन पीठा, लड्डू, चूड़ा, तिल लड्डू आदि बनाते हैं।
- **रंगाली बिहू :- समय, अप्रैल (बैसाख माह); स्वरूप, नववर्ष और बोवाई की शुरुआत ।** यह तीनों बिहू में सबसे महत्वपूर्ण और उल्लासपूर्ण बिहू है, जो असमिया नववर्ष की शुरुआत करता है। इसमें लोग नए-नए कपड़े पहनते हैं, घरों की सफाई करते हैं, गायों को स्नान कराते हैं (जिनके पास होती हैं) और पारंपरिक

गीतों और नृत्यों में भाग लेते हैं। बिहू गीत और बिहू नृत्य इस त्योहार की पहचान है। स्त्री एवं पुरुष रंगीन परिधान पहनकर समूहों में नाचते गाते हैं। युवाओं के बीच यह प्रेम और सौहार्द का पर्व भी माना जाता है।

आमुख लेख

- **काती बिहू :- समय, अक्तूबर (कार्तिक माह); स्वरूप, ध्यान और प्रार्थना का पर्व** । यह शांति संयम और खेती की समृद्धि की प्रार्थना का समय होता है, जब खेतों में फसलें पनप रही होती है लेकिन घर्ण में भंडार खाली होते हैं। किसान खेतों में दीप जलते हैं, जिसे आकाश बत्ती कहा जाता है और फसल की रक्षा की प्रार्थना करते हैं। इसमें तुलसी पौधे की भी पूजा की जाती है और घरों में संयमपूर्ण भोजन किया जाता है।

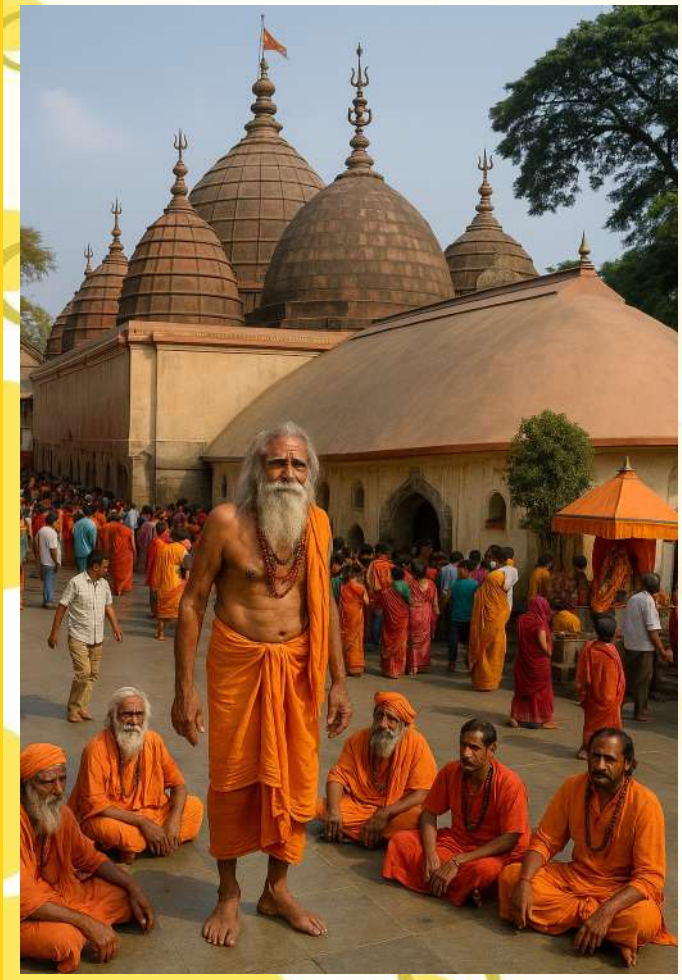

अंबुबाची मेले का एक दृश्य

बिहू सिर्फ त्योहार नहीं है, बल्कि यह असमिया अस्मिता और एकता का प्रतीक है। इस अवसर पर लोक संगीत, लोक नृत्य, पारंपरिक वस्त्र जैसे 'मेखला चादर' और ढ़ोल पीपा जैसे वाद्ययंत्रों का प्रमुख स्थान होता है। यह त्योहार जाति, धर्म, समुदाय से ऊपर उठकर सभी असमवासियों को एक सूत्र में बांधता है। यह एक ऐसा त्योहार है जिसे असम में ही विभिन्न स्थान पर अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है।

⇒ **अंबुबाची मेला:-** यह प्रसिद्ध मेला **कामाख्या मंदिर**, गुवाहाटी में आयोजित होता है। जून महीने में मनाया जाने वाला यह मेला शक्ति उपासना से जुड़ा है और माना जाता है कि इस दौरान देवी कामाख्या मासिक धर्म में होती हैं। इस धार्मिक अवसर पर देशभर से साधु-संत और श्रद्धालु यहाँ एकत्र होते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस समय देवी जागृत अवस्था में रहती हैं और इस समय जो भी भक्त मंदिर में जाकर माता का आशीर्वाद लेते हैं, उनकी मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

⇒ **अली-आई-लिगांग:-** यह त्यौहार **मिरी (मिशिंग)** जनजाति द्वारा फरवरी के महीने में मनाया जाता है। यह खेती के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है। इस अवसर पर पारंपरिक नृत्य-गीत, लोक संगीत और विशेष पकवान बनाए जाते हैं। यह त्यौहार सामूहिक उल्लास और प्रकृति से जुड़ाव का अद्भुत उदाहरण है।

अली-आई-लिगांग नृत्य का एक दृश्य

83 वाँ वर्ष राष्ट्र के विश्वास के नाम

आमुख लेख

⇒ **डोल जात्रा (होली):-** असम में **डोल जात्रा**, ब्रज की होली की तरह मनाई जाती है। इसमें राधा-कृष्ण की मूर्तियों को डोली में बिठाकर शोभायात्रा निकाली जाती है, और लोग रंग-अबीर लगाकर उत्सव मनाते हैं। विशेष रूप से वैष्णव मतावलंबियों में यह पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाता है।

यह एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व है, जिसे विशेष रूप से वैष्णव संप्रदाय के लोग बड़े धूमधाम से मनाते हैं। इसे असमिया समाज में 'फकीर जात्रा' या 'डोल उत्सव' के नाम से भी जाना जाता है। डोल जात्रा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और लीलाओं से जुड़ा हुआ एक वैष्णव धार्मिक उत्सव है, जिसमें भक्ति संगीत, रंग और प्रेम का अनूठा संगम देखने को मिलता है। यह खासतौर पर श्रीमंत शंकरदेव और माधवदेव की वैष्णव परंपरा से जुड़ा है।

⇒ **बैसागु** :- **बोडो जनजाति** द्वारा मनाया जाने वाला यह त्यौहार नववर्ष के आगमन और फसल की खुशहाली से जुड़ा होता है। ढोल-नगाड़ों की थाप पर बोडो लोकनृत्य प्रस्तुत किया जाता है। यह अप्रैल के आसपास मनाया जाता है। असम के त्यौहार न केवल धार्मिक आस्था का प्रदर्शन करते हैं, बल्कि ये प्रकृति, कृषि और समाज के साथ गहरे जुड़ाव को भी प्रकट करते हैं। इन उत्सवों के माध्यम से असम की लोक संस्कृति, परंपरा और विविधता एक सुर में बंधी प्रतीत होती है। यह रंग-बिरंगी सांस्कृतिक विरासत असम को भारत की संस्कृति का अनमोल रत्न बनाती हैं और यही कारण है कि असम को पूर्वोत्तर राज्यों में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त है तथा इसे सेवन सिस्टर की बड़ी बहन के रूप में भी जाना जाता है।

बोडो जनजाति द्वारा मनाया जानेवाला बैसागु नृत्य का एक दृश्य

यूको बैंक UCO BANK
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Govt. of India Undertaking)
सम्मान आपके विश्वास का Honours Your Trust

सार्वजनिक सतर्कता नोटिस

डीपफेक वीडियो और कपटपूर्ण निवेश योजनाओं से सावधान रहें।

यूको बैंक अपने सभी ग्राहकों और जनसाधारण को सोशल मीडिया पर प्रसारित डीपफेक वीडियो, जो लोगों को अवास्तविक और अत्यधिक उच्च रिटर्न का वादा करने वाली कपटपूर्ण निवेश योजनाओं पर विश्वास करने के लिए गुमराह करते हैं, के प्रति सावधान करता है।

ये भ्रामक वीडियो उन्नत एआई प्रौद्योगिकी का उपयोग करके आवाजों और दृश्यों में फेरबदल कर वास्तविक प्रतीति के उद्देश्य से बनाए जाते हैं। साइबर अपराधी ऐसी युक्तियों का उपयोग करके लोगों को गुमराह करके ऐसी योजनाओं में निवेश करने के लिए प्रेरित करते हैं, जो शीघ्र उच्च रिटर्न का झूठा आश्वासन देती हैं।

अत: जन साधारण को सतर्क करते हुए सलाह दी जाती है कि वे सतर्क रहें तथा ऐसे भ्रामक डीपफेक वीडियो का शिकार होने से बचें। यूको बैंक विनियामक दिशानिर्देशों और नैतिक वित्तीय प्रथाओं का पालन करता है, और किसी भी अवास्तविक निवेश रिटर्न का वादा नहीं करता है।

- अवांछित निवेश प्रस्तावों में संलग्न न हों।
- हमेशा आधिकारिक एवं विश्वसनीय स्रोतों से सूचना सत्यापित करें।
- संदिग्ध संचार (कॉल / एसएमएस / व्हाट्सएप) की रिपोर्ट चक्षु पोर्टल (sancharsaathi.gov.in) पर करें।
- साइबर अपराध की रिपोर्ट 1930 पर करें और cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें।
- यूको बैंक की आधिकारिक घोषणाओं के लिए हमारी वेबसाइट (www.ucobank.com) और आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से अद्यतित रहें।

सचेत रहें। सुरक्षित रहें।

1800-103-0123 (Toll Free) 8334001234 7666399400 हमें फ़ॉलो करें :

यूको बैंक
UCO BANK

83 वाँ वर्ष राष्ट्र के विश्वास के नाम

स्मार्ट सेविंग्स की शुरुआत करें

यूको 444

सावधि जमा योजना

न्यूनतम जमा राशि: ₹ 10,000/-

अधिकतम जमा राशि: ₹3 करोड़ से कम

@ 6.60%* प्रति वर्ष

निवासी वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज दर:
7.10%* प्रति वर्ष

*नियम एवं शर्तें लागू

आवेदन करने के लिए QR कोड स्कैन करें

www.ucobank.com | 1800-103-0123 | 7666399400 | 8334001234 | Follow us

यूको बैंक UCO BANK
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Govt. of India Undertaking)
प्रधान कार्यालय : 10, बी.टी.एम. सरणी, कोलकाता-700 001

सम्मान आपके विश्वास का Honours Your Trust